Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

निजी स्कूलों की मनमानी के आगे अभिभावक हुए परेशान

जिम्मेदार कौन

कुछ चुनिदा स्टेशनर्स विक्रेता स्कूल प्रबंधन के साथ मिलकर ऐंठ रहें चौगुना कीमत

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद में अभिभावकों की जेब पर डाका डालते हुए जिले के पब्लिक स्कूलों द्वारा चयनित किये गये निजी स्टेशनर्स विक्रेता स्कूल प्रबंधकों के साथ मिलकर चौगुना कीमत वसूल रहे है। एक तरफ जहां जिले का शिक्षा विभाग दावे कर रहा है कि अभिभावकों को किसी एक विशेष चयनित दुकान से कापी किताब खरीदने के लिए बाध्य नही किया जा सकता। मगर सीमांत जनपद में स्थितियां उल्टी तस्वीर बयां कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सीमांत राज्य के तमाम जिलों में वर्तमान समय में पहली कक्षा से लेकर बारहवी की कक्षा तक एनसीआरटी की किताबें लागू करने के आदेश राज्य सरकार द्वारा पारित किये गये है। मगर जिले के कुछ निजी विद्यालय प्राइवेट किताबें भी साथ में लगा रहे है। ऐसे हालातों में राज्य सरकार की नीतियों व एनसीआरटी के नियमों को ताक पर रखकर जिले के निजी स्कूल संचालक व कुछ चयनित स्टेशनर्स विक्रेता जिले के अभिभावकों की जेब पर खुलेआम डाका डालने में तुले हुए है।

अभी भी जिले के कुछ पब्लिक स्कूल वर्तमान में अपने चयनित स्टेशनर्स विक्रेता व चयनित दुकानदारों से ड्रेस खरीदने को मजबूर करने में तुले हुए है। जिले में सरकार की सख्ती का अभी भी वर्तमान में धरातल पर कोई असर होता नही दिख रहा है।

जिले का शिक्षा विभाग भले ही दावे कर रहा हो कि निजी स्कूलों की मनमानी पर हम नजर बनाये हुए है। मगर वर्तमान में स्थिति पूरी तरह से विपरीत है। सीमांत जिले में एनऐआरटी की पुस्तकों की जगह कुछ पब्लिक स्कूलों के द्वारा अपने चयनित किये गये दुकानदारों के माध्यम से निजी प्रकाशन की किताबें साथ में लेने का पूरा दबाव बनाये जाने की सूचना मिल रही है। नियमों का पालन जिले में करते कोई भी पब्लिक स्कूल नजर नही आ रहा है।

दूसरी ओर पिछले साल तक जहां एनसीआरटी की पुस्तकों के अलावा अतिरिक्त पुस्तकें नही थी। वही वर्तमान में अभिभावकों की मजबूरी का जिले के चयनित स्टेशनर्स विक्रेता पूरा पूरा फायदा उठाते हुए देखे जा सकते है। ऐसे हालातों में निजी पुस्तकें जबरन लागू कराकर उसे बेचकर स्थानीय अभिभावकों के साथ खुलेआम लूट मचाई हुई है।

अब तक इस मामले में जिले के शिक्षा विभाग के आला अधिकारी केवल हाथ पर हाथ धरकर बैठे हुए है। अभिभावकों द्वारा शिकायत मिलने के बाद भी अब तक कोई कारवाही न किये जाना वास्तविक तौर पर चिंता का विषय है।

न्यूज डायरी

हरबंशलाल ने निगम के अधिकारियों पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

संवाददाता देहरादून। तिलवाडी बद्रीपुर निवासी हरबंशलाल ने नगर निगम के अधिकारियों पर स्थानीय लोगों से मिली भगत कर घर के रास्ते में दीवार खड़ी करने का आरोप लगाया। हरबंशलाल ने बताया कि उनके घर के सामने पार्क के नाम से दीवार खड़ी कर दी है। साथ ही उनके घर के पानी की निकासी भी बिल्कुल बंद कर दी है। जिसके कारण उन्हें व उनके परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होनें कहा कि तिलवाडी बद्रीपुर में राज्य बनने से पहले से उनका परिवार रहता है। कुछ सालों पहले तिलवाडी क्षेत्र नगर निगम में आ गया। जिसके कारण ग्राम सभा खत्म हो गई। जिसके चलते कुछ स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर पार्क बनाने के नाम पर मेरे घर का रास्ता बंद कर दिया गया है।

चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर में तोड़फोड़, चोरी का भी संदेह जताया

संवाददाता गोपेश्वर। चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। जिससे स्थ्थानीय लोगों में आक्रोश है। वहीं मंदिर में चोरी का भी संदेह जताया जा रहा है। रुद्रनाथ के पुजारी हरीश भट्ट ने बताया है कि शीतकाल के दौरान चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ के कपाट बंद रहते हैं। गोपेश्वर से लगभग 24 किलोमीटर की दूरी पर मंदिर स्थित है। कपाट बंद रहने के दौरान यहां पर लोगों की आवाजाही नहीं होती है, लेकिन कपाट खुलने की तैयारी को लेकर गश्ती दल रुद्रनाथ गया था। इस दौरान पता चला कि मंदिर के मुख्य द्वार तथा धर्मशाला के दरवाजों को तोड़ा गया है। ऐसे में उन्होंने वन विभाग और पुलिस प्रशासन से शिकायत की है। शीतकाल में इस क्षेत्र में लोगों का आना जाना बंद है।

भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र समस्त मानव जाति के लिए हैं प्रेरणा का स्रोत

संवाददाता देहरादून। भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ– भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र समस्त मानव जाति के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शब्द राम का तो विस्तार ही– राइट एक्शन मैन है अर्थात् सदा उचित कृत्यों को करने वाला व्यक्तित्व। सद्गुणों से परिपूर्ण श्रीराम का अनुसरण करके ही मानवता श्रेष्ठता को छू सकती है। और ऐसा करना अव्यावहारिक भी नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि राम के चरित्र को धारण कर हर क्षेत्र में सफलता के गगनचुंबी लक्ष्य पाए जा सकते हैं। आइए, राम नवमी के उपलक्ष्य में, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के गुण–सागर से कुछ गागर हम अपने लिए भरते हैं। सम अवस्था– श्री राम ऐसे उत्तमपुरुष हैं, जिन पर परिस्थितियों का प्रभाव नहीं पड़ता।

पोषण ट्रैकर एप में बिल्कुल नहीं हो रहा काम

संवाददाता पुरोला। उत्तराखंड राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ की शनिवार को पुरोला में आहूत बैठक में मानदेय भुगतान, मोबाइल रिचार्ज व माल ढुलाई को लेकर हो रही परेशानी को लेकर चर्चा हुई । बैठक में संगठन की जिला अध्यक्ष सीमा सोनी व प्रदेश महामंत्री सुशीला खत्री मौजूद रहे।

बैठक मे जिला अध्यक्ष सीमा सोनी ने बताया कि माह नवंबर से मानदेय न मिलना, ब्लॉक में बाल प्लस योजना के अंतर्गत जो सामग्री अंडे खजूर चिप्स आदि दिये जा रहे है। विभाग द्वारा मिली घटिया यूनिफॉर्म पर भी सभी कार्यकार्तियो ने अपना रोष प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर एप मैं काम बिल्कुल नहीं हो रहा है कोई भी डाटा फिट नहीं हो रहा है, विभाग की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को फोन तो दिए गए मगर नेट रिचार्ज के पैसे नियमित नही दिए जा रहे, जो केंद्र किराए पर चल रहे हैं उनका भवन का किराया लगभग दो वर्ष से नहीं आया है।

बैठक में पुरोला ब्लाक कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से मनीता देवी को ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया कोषाध्यक्ष पद पर किरण नौडियाल,सचिव राखी देवी को चुना गया।

कन्या पूजन तो करें पर शक्ति की सेवा भी जरूरी

संवाददाता ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन द्वारा त्रिवेणी घाट, बाजार में निशुल्क शक्ति विद्या मन्दिर प्ले स्कूल का शुभारम्भ किया। नवरात्रि के पावन अवसर पर शक्ति का पूजन तो करें पर शक्ति की सेवा भी करें इस भाव से मायाकुंड स्लम में शिक्षा और विकास हेतु परमार्थ निकेतन द्वारा त्रिवेणी घाट बाजार में आज महिलाओं के लिये प्रशिक्षण केन्द्र और छोटे नन्हे बच्चों के लिये शिक्षा के साथ संस्कार देने वाले शक्ति विद्या मन्दिर प्ले स्कूल का आज शुभारम्भ किया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डिवाइन शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष डा साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में आज अष्टमी तिथि के दिव्य अवसर पर महागौरी पूजन और हवन में विशेष आहुतियाँ समर्पित कर तिलक लगाकर कन्या पूजन किया तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर 'शक्ति विद्या मन्दिर' प्ले स्कूल का उद्घाटन किया।

पहाड़ों के जंगलों में लगातार बढ़ रही आग लगने की घटना

संवाददाता बागेश्वर। वनों की आग लगातार बढ़ रही है। रात पालनीकोट, थापली और जौलकांडे के नीचे के जंगलों में भयंकर आग लग गई। जिससे जड़ी–बूटी, पेड़ और जंगली जानवरों को नुकसान होने की आशंका है। हालांकि दमकल विभाग भी पर आग को काबू करने के लिए मुस्तैद हो गया है। वह वन कर्मचारियों को मदद भी कर रहा है। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

जिले के जंगलों में आग लगने की घटना लगातार बढ़ रही है। देर शाम लगभग आठ बजे पालनीकोट, थापली, जौलकांडे की तरफ के जंगल में आग लग गई। देखते ही देखते जंगल धधकने लगे। इतना ही नहीं, आग गांव की तरफ बढ़ने लगी। इसकी सूचना आसपास के लोगों ने दमकल विभाग को दी।

विभाग ने मौके पर पहुंचा और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। एफएसएसओ महेश चंद्र ने बताया कि आग को पहले रिहायसी इलाके में फैलने से रोका और उसके बाद पूरी तरह आग पर काबू पाया। इध्र, आग लगने से वातावरण में धुआं फैल गया है। जिससे लोगों की भी दिक्कतें बढ़ गई हैं। वन विभाग प्रतिदिन बढ़ रही घटनाओं को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई नहीं कर सका है।

प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि अभी तक लगभग 51 केस हो गए हैं। 73 हेक्टेयर वनों में आग लग गई है। पेड़, घास और पिरुल को लगभग दो लाख रुपये का नुकसान पहुंचा है। वन विभाग की टीम लगातार आग बुझाने में जुटी हुई है।

कोट भ्रामरी में हुआ कुमाऊं–गढ़वाल का संगम

संवाददाता गरुड़। कुमाऊं और गढ़वाल की सांस्कृतिक एकता तथा श्रद्धालुओं की अगाध श्रद्धा व अटूट आस्था का प्रतीक प्रसिद्ध कोट भ्रामरी मेला संपन्न हो गया है। मेले में कुमाऊं व गढ़वाल के दूरदराज इलाकों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मेलार्थियों ने मेले में जमकर खरीदारी की। साथ ही पूजा अर्चना कर मां से मन्नतें मांगी।

चौत्र माह की अष्टमी को प्रतिवर्ष डंगोली स्थित मां भ्रामरी के प्रसिद्ध कोट मंदिर में एक दिवसीय मेला आयोजित किया जाता है। मेले में कुमाऊं व गढ़वाल मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से मेलार्थियों की भारी भीड़ पहुंची। प्रातरू होते ही मंदिर में श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया तथा पूजा अर्चना प्रारंभ हो गई। मेले के चलते डंगोली तिराहे से मंदिर तक मेलास्थल को भव्य रूप से सजाया गया था। मेले में दूरदराज से आए व्यापारियों ने जमकर कारोबार किया। मेलार्थियों ने भी जमकर खरीदारी की। कोट मेले में श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। मेले में सर्वाधिक मांग उत्तम किस्म की कढ़ाइयों की रही।